

ज्यारिया। ७५। छ।।।

SHERIG PARKHANG TRUST

(Registered Under Certificate Section 60 Regd. No 1017 in Book no. IV Vol. No. 4.042 at office of the Sub. Registrar VIII, New Delhi)

Ref. No.F-7/M\$/17/ST-2790

Dated: August 22, 2017

है की मेश देन द्वर विद द्वर वा वा वा का की देन के हैं द ना मुम ही नाम वा वा की वा

ही विपक्षगत्त निष्यायित कारी व

- গুটু ন্ত্রিন স্ট্রম্থানা ক্রা অনা মধ্য অন্তর্মধ্যা M.COM/& Tally with inventory/ MS office Particularly Excel & Word অন্ধাম ক্রিমের অনা অন্তর্মধ্যা
- ३) लयाक्रियमाहरी मूटायमातारमूमामाहतु काम्रियम् वर्ते में याता क्रियमा यामास् १८४ ल्या
- अरे अयात्य.जमार्ट्रेब.स्चा.ध्यायास्त्रीट.ज्.वीसंशाक.क्ट.वियात्य.जमाविट्य.यया.ट्रास्त्रीट.ट्रेस्य.की
- ६) र्रे न्वर्वा वार्ष्यव्या है अर्द्ध्य है वार्य अर्द्ध्य । २०४०२१०० द्रा व्यय विवार्ष श्री वार्य है वार्य है वार्य अर्द्ध्य । ३०४०२१०० द्रा व्यय विवार्ष श्री वार्य है वार्य है वार्य अर्द्ध्य । ३०४०२१०० द्रा व्यय विवार्ष श्री वार्य है व

- पर् द्वे.त्य. २०१८११२१३१ वर.र्ट्रश. वट्स. ये.स्. १८१८६ त.क. क्ष्ट. पर्वेता. व्याप्त स्थार्ट. त्या वर. श्रवेता.
- ५) कु न्य मुन्य नर्डे व व्यापन दे व द् य व्यव्यव्यात् य परि दिन हि य द र प्राप्त व व व व व व व व व व व व व व व
- गरे पट.स्. १२ बंबा ६० श्रायमेलाय.ट्रेस्बाकी
- (१ वर्षामान्ते न प्रति क प्रति
- विष्णायन्य विष्णा क्षेत्र निष्णा क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त विष्णा क्षेत्र क्षेत्र विष्णा विष्णा विष्णा विष्णा विषणा विष्णा क्षेत्र क्षेत्र विषणा विषणा

लु 'द्रमायवे 'द्रमें सामि 'द्रम्क के बा

- १) Acharya- यमायद्विरायसर्घिरायसर्घिराष्ट्री क्रांस्त्रियायस्य मृत्यायस्य मृत्यास्य मृत्यास्य स्थाप्त्री स्थाप्ते रायम् स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्था
- ३) ल्याक्रीयम्बर्धा मूट्यमन्त्राखे रयात्त्र रमूसम्बर्धः स्टर्म्यमायत्त्र क्षीयम्बर्धः स्टर्म्यमायत् स्वर्धः स्टर्म्यमायत् स्वर्धः स्वरं स्वरं
- क्रे बि.ट्य.तपु.जमार्ट्य.ह्यू.क्षणमार्श्वेट.जू.यमिश्माक.क्ट.विमातपु.जमायिटमायमार्ट्य.ह्यू.ट्यूमार्की
- हीं अर्थेट्यास्य संस्था हिंग ही।

 पहेतु देश प्रेय हिंग शास्त्र शायत्व ता अन्तर्भे ते विवाद्य अस्त्र शास्त्र शास्त शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त शास्त
- त्रे मूट्यमन्त्रः वियः इस्तर्दः रूषः त वसः १० यमः यश्याः सर्वे यासर्वे रस्तर्म् सः वै।

चु अयर्के द म्ये द के अयं दि द क के बा

- १ वहिन म् परु महिषायन में न परि त्यम विकास मार्क
- १ में मायान नियम मासू का कथा ने नियम अवस्थाय में मायान मासे मिन मी त्या प्राप्त मायान मासे मायान माया
- षर् इ.के.वर्ज्ञ.वर्ग्यर.रट.के.वर्जीर.वे.वीय.तपुर.पुय.ती
- A- Desktop Publishing (D.T.P.) or equivalent degree in Designing.
- B- Must have knowledge of web designing and development.
- अर् लुचाक्रीचन्ना रच्चेयल्लचाक्च्याचित्रात्व्यूरात्व्युरात्व्युराव्युराव्युराव्याः स्वाक्षीयन्ना रत्याच्येयान्य
- ६) वहित्रम् पठु महित्र मं व्यक्षिम् स्त्र स्वापाद्वम् स्त्र स्वापात्त्र स्वापात्र स्वापात्त्र स्वापात्र स्वापात्त्र स्वापात्त्र स्वापात्त्र स्वापात्त्र स्वापात्त्र स्वापात्र स्वापात्र
- प्रे क्रिन्न्व र्ये नुस्यान्त्र प्रतेन्य र्ये प्रस्था ने प्रायम्य प्रतेन्य क्रिस्य क्
- पर्याकृति के त्वे भारत्य विदार् भाषा प्रत्या विदार वि

The Director

Sherig Parkhang Trust,

R-28 & 27, Ramesh Park, Laxmi Nagar, Delhi-110092

Tele Fax:- 011-22455634 & 011-22453672 (O) 011-22013260(R)

E-mail-tcrpc@rediffmail.com & shepardelhi@gmail.com

Director
Sherig Parkhang Trust
R-28, Ramesr. Park Laxmi Nagar Delhi 92